



धमाका डिस्काउंट ऑफर

Exchange & Finance Available

Zelo Electric Scooter

Maa Bhagwati Services & Enterprises
B. No. 23, Infront of IDBI Bank,
Neemuch 9407423966, 8770664866

Commodity:	Gold 99,735	Silver 97,000	Crude Oil 5,963	Natural Gas 302.20	Aluminium 232.30	Copper 827.35
------------	-------------	---------------	-----------------	--------------------	------------------	---------------

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने ‘भारत मार्ट’ को बताया वैश्विक व्यापार का प्रवेशद्वार

मध्यप्रदेश को लॉजिस्टिक्स और निर्यात का हब बनाने की दिशा में मजबूत कदम, भारतीय एमएसएमई उत्पादों को मिलेगा वैश्विक मंच

भोपाल 15 जुलाई (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुबई यात्रा के तीसरे दिन डीपी वर्ल्ड और जेबेल अली फ्री जोन (JAFZA) के वरिष्ठ अधिकारियों से उभर कर “भारत मार्ट” परियोजना और उससे जुड़ी लॉजिस्टिक्स संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। यह बैठक भारत के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (MSMEs) को वैश्विक बाजार से जोड़ने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल मानी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत मार्ट को “वैश्विक व्यापार का प्रवेशद्वार” बताते हुए कहा कि यह आधुनिक व्यापार केंद्र भारतीय उत्पादों, विशेष रूप से खाद्य प्रसंस्करण, कृषि और हस्तशिल्प जैसे उत्पादों की मध्य पूर्व, अफ्रीका और यूरोप जैसे बाजारों तक सीधी पहुँच उपलब्ध कराएगा। भारत मार्ट 2026 में परिचालन में आएगा और ‘लोकल से ग्लोबल’ की नीति को नई दिशा देगा।

“भारत मार्ट” भारत और यूएई के बीच व्यापारिक संबंधों का प्रतीक - भारत मार्ट, जेबेल अली फ्री जोन (JAFZA), दुबई में लगभग 2.7 मिलियन वर्ग फुट में विकसित किया जा रहा एक बहुआयामी अंतरराष्ट्रीय व्यापार केंद्र है। इसकी आधारशिला प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और दुबई के शासक शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम द्वारा फरवरी 2024 में संयुक्त रूप से रखी गई थी। यह केंद्र डीपी वर्ल्ड द्वारा संचालित किया जा रहा है और इसमें 1500 से अधिक

निर्बाध लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी - बैठक में विशेष रूप से मध्यप्रदेश में डीपी वर्ल्ड द्वारा प्रस्तावित रेल टर्मिनल और उज्जैन-नागदा रूट को भारत मार्ट तक निर्बाध माल आपूर्ति का एक निर्णायक माध्यम बताया गया। यह लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी भारत से दुबई तक तेज, किफायती और सुगम माल परिवहन सुनिश्चित करेगी, जिससे राज्य के निर्यातकों

को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा, “हमारी सरकार इस यात्रा को केवल व्यापार नहीं, बल्कि मध्यप्रदेश के आर्थिक भविष्य की नींव मान रही है। भारत मार्ट के जरिये हमारा प्रदेश वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में एक मजबूत कड़ी बनेगा।”

डीपी वर्ल्ड: भारत और मध्यप्रदेश के लिए संभावनाओं से भरा साझेदार - डीपी वर्ल्ड, दुबई स्थित एक अग्रणी वैश्विक लॉजिस्टिक्स और आपूर्ति श्रृंखला समाधान प्रदाता है, जो 78 से

अधिक देशों में 100 से अधिक टर्मिनलों और पोर्ट्स का संचालन करता है। प्रति वर्ष 70 मिलियन TEU कंटेनर हैंडल करने वाली यह कंपनी विश्व की सबसे बड़ी पोर्ट ऑपरेटरों में गिनी जाती है।

भारत में संचालन - डीपी वर्ल्ड भारत के मुंबई, मुंद्रा, कोचीन, चेन्नई और विशाखापत्तनम जैसे प्रमुख बंदरगाहों पर छह टर्मिनलों का संचालन करती है। साथ ही यह कोल्लड चैन लॉजिस्टिक्स, कंटेनर फ्रेट स्टेशन और एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट सेवाओं का भी प्रबंधन करती है।

पत्रकार कल्पेश याग्निक आत्महत्या केस में जमानतदार फर्जी, सलोनी अरोरा सहित तीन पर एफआईआर

इंदौर। पत्रकार कल्पेश याग्निक आत्महत्या केस में फर्जी ऋण पुस्तिका से जमानत लेने का मामला सामने आया है। अपराध शाखा ने सलोनी अरोरा सहित तीन के विरुद्ध गंभीर आधारों में प्रकरण दर्ज किया है। जमानतदार केदार डाबी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

2018 में की थी आत्महत्या - डीसीपी(अपराध) राजेश कुमार रिपार्टी के मुताबिक कल्पेश याग्निक के छोटे भाई नीरज याग्निक(साकेतनगर) द्वारा शिकायत दर्ज करावाई गई थी। वरिष्ठ पत्रकार कल्पेश याग्निक ने साल 2018 में ऑफिस से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। उन्हें संस्थान में काम करने



वाली सलोनी अरोरा ब्लैकमेल कर रही थी। सलोनी को एक साल बाद कोर्ट ने सशर्त जमानत दे दी। उस वकत सलोनी की भाभी डिंपल संजय अरोरा द्वारा जमानत दी गई थी। साल 2021 में डिंपल ने कोर्ट में अर्जी दायर कर जमानत वापस ले ली। सलोनी ने वकील की बहन मधू श्रीवास्तव(आनंदनगर) से जमानत

लगवा दी। कुछ समय बाद मधू ने अपनी जमानत वापस ली और सिमरोल के केदार डाबी द्वारा जमानत प्रस्तुत कर दी। नीरज ने लिखित शिकायत कर आरोप लगाया कि केदार फर्जी जमानतदार है और फर्जी पवती, ऋण पुस्तिका से कई अपराधियों को जमानत पर रिहा करवा चुका है।

हाई कोर्ट द्वारा उसके जमानत देने पर प्रतिबंध भी लगाया है।

सारे दस्तावेज फर्जी थे - एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक इस मामले में निरीक्षक जितेंद्र चौहान द्वारा जांच की गई। जांच में साबित हुआ कि केदार द्वारा प्रस्तुत किए दस्तावेज फर्जी थे। उसके विरुद्ध अपराध शाखा में ही फर्जी जमानत देने का मामला पंजीबद्ध है। उच्च न्यायालय ने बाकायदा केदार डाबी द्वारा प्रस्तुत जमानत पर रोक लगाते हुए लिखा कि वह भविष्य में किसी भी आपराधिक मामले में जमानतदार नहीं बन सकता है। सलोनी ने जानबूझकर केदार से जमानत पेश करवाई। मधू ने कोर्ट के समक्ष उसकी तस्दीक की।

जिले में नशामुक्ति अभियान प्रारंभ- “नशे से दूरी है जरूरी”

नारकोटिक्स प्रकोष्ठ द्वारा नशा मुक्ति अभियान प्रारंभ

नीमच 15 जुलाई (निप्र)। नारकोटिक्स विंग, पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा संपूर्ण प्रदेश में 15 जुलाई 2025 से 30 जुलाई 2025 तक 15 दिवसीय नशामुक्ति अभियान ’’ नशे से दूरी है जरूरी’’ का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत सभी विभागों के आपसी समन्वय से आम जनता को नशा मुक्ति के लिए जागरूक

किया जा रहा हैं। इस जागरूकता अभियान तहत विभिन्न संचार माध्यमों से नशामुक्ति के संदेश का प्रचार प्रसार किया जा रहा हैं। साथ ही नशामुक्ति जनजागरूकता कार्यक्रम, रैली आदि भी आयोजित की जा रही है। यह जानकारी नारकोटिक्स प्रकोष्ठ नीमच के प्रभारी तेजेन्द्र सिंह सेंगर द्वारा दी गई ।

madan mali 9669999779

rajmal gayri 9926640630

SHREE DEV ENTERPRISES

GSTIN-23AHDPL6502G1Z5
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

Station Road, Near Church, Nayagaon-Neemuch

GSTIN-23BSPGR6859G1Z5
MSME NO. UDYAM-MP-33-0003801

श्रीदेव वेल्डिंग वर्क्स

स्टेशन रोड, चर्च के पास, नयागाँव, जिला-नीमच

एनसीसी के माध्यम से करियर की प्रगति विषय पर व्याख्यान सम्पन्न

नीमच 15 जुलाई (निप्र)। मंगलवार को श्री सीताराम जादू शास्त्री कन्या महाविद्यालय में एनसीसी इकाई द्वारा एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसका विषय था “Career Progression through NCC”। इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता रहे लेफ्टिनेंट कर्नल ज्योति प्रकाश, जो वर्तमान में एनसीसी बटालियन के कर्मांडिंग ऑफिसर के रूप में सेवारत हैं।

कार्यक्रम का अंश सरस्वती वंदना के साथ हुआ, जिसके उपरांत महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. प्रतिभा कालीनी ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए उनके सैन्य जीवन के प्रेरणादायी पहलुओं का संक्षिप्त उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि लेफ्टिनेंट कर्नल ज्योति प्रकाश भारतीय सेना में मार्च 1999 में कमिशन प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने ऑपरेशन विजय और ऑपरेशन पराक्रम जैसे महत्वपूर्ण सैन्य अभियानों में भाग लिया है।



जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद-रोधी अभियानों, भुज भूकंप राहत कार्य, और देश के विभिन्न कोनों में महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं देने का गौरव उन्हें प्राप्त है। उन्होंने सेना कमांडर कमेंडेशन जैसे सम्मान का मिल चुके हैं। वर्तमान में वे एक विस्तारित एनसीसी बटालियन का सफलतापूर्वक नेतृत्व कर रहे हैं।

इसी कड़ी के अंतर्गत अपने व्याख्यान में लेफ्टिनेंट कर्नल ज्योति प्रकाश ने विस्तारपूर्वक यह समझाया कि एनसीसी केवल एक

सह-पाठ्यक्रम गतिविधि नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के संपूर्ण व्यवितव विकास, आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और देशभक्ति जैसे गुणों को विकसित करने का एक सशक्त मंच है। उन्होंने बताया कि एनसीसी प्रशिक्षण के माध्यम से छात्र-छात्राएं विभिन्न सरकारी सेवाओं, रक्षा सेवाओं और निजी क्षेत्र में भी उज्ज्वल करियर बना सकते हैं। एनसीसी प्रमाण पत्रों (ए, बी, और सी) की उपयोगिता और इनसे मिलने

वाले लाभों को स्पष्ट किया। सी सर्टिफिकेट धारकों को सेना, नौसेना और वायुसेना में सीधे एसएसबी (सेवा चयन बोर्ड) के लिए गुणों का विकसित करने का एक सशक्त मंच है। सीमा सुरक्षा बल, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी जैसी अर्धसैनिक बलों में भी प्राथमिकता मिलती है। कई राज्य सरकारें और पीएसयू (पब्लिक सेक्टर यूनिट्स) भी एनसीसी प्रमाणपत्र धारकों को वरीयता देती हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि एनसीसी कैडेट्स को रिपब्लिक

डे कैंप (RDC), थल सैनिक कैंप (TSC), नेवल और एयर विंग कैंप, युवा विनिमय कार्यक्रम (Youth Exchange Program - YEP) जैसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आयोजनों में भाग लेने का अवसर मिलता है, जिससे उनका दृष्टिकोण वैश्विक बनता है।

कार्यक्रम का संचालन प्रो. हीरसिंह राजपूत एवं आभार प्रदर्शन में डॉ. हिना हरित द्वारा किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय परिवार एवं बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रही।

मनासा में विधायक मारू ने किया नशामुक्ति अभियान का शुभारंभ

नशे से दूरी है जरूरी जागरूकता रैली को किया रवाना



नीमच 15 जुलाई (निप्र)। मनासा में मंगलवार को विधायक अनिरुद्ध मारू ने पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार आयोजित नशा मुक्ति अभियान’ नशे से दूरी है जरूरी, का शुभारंभ किया। विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने अपने उद्बोधन में नशे के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए समाज में नशे से मुक्ति के लिए व्यापक जन जागरूकता पर बल दिया। उन्होंने उपस्थित जनों से नशा मुक्त समाज निर्माण में अपना

योगदान देने और भावी पीढ़ी को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करने का आवाहन किया। इस अवसर पर अजय तिवारी एसडीम पवन बारिया एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मनासा में नशा मुक्ति जन जागरूकता रैली भी निकाली गई। इस रैली में बड़ी संख्या में छात्राओं ने भाग लेकर नशामुक्त समाज निर्माण में योगदान देने और नशे से दूर रहने के संबंध में संदेश दिया।

राजस्व टीम ने ग्राम चडोल में 10 लाख रुपए मूल्य की 0.33 हेक्टेयर जमीन को कराया अतिक्रमण मुक्त

नीमच 15 जुलाई (निप्र)। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में जिले में शासकीय जमीनों के संरक्षण एवं अवैध कब्जा हटाकर शासकीय जमीनों को कब्जा मुक्त करवाने के लिए राजस्व विभाग द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत तहसीलदार रतनगढ़ बीएल डाबी द्वारा अनुविभागीय अधिकारी

राजस्व जावद प्रीति संघवी के निर्देशानुसार मंगलवार को करवाई कर ग्राम चडोल की शासकीय भूमि सर्वे कं. 151 रकबा 25.290 हेक्टर मे से लगभग 0.33 हेक्टर भूमि को अतिक्रमण से मुक्त करावाया गया है तहसीलदार रतनगढ़ ने बताया कि पहाड़ मंद की इस शासकीय जमीन परअनावेदक जगदीश पिता कुका

व सुन्दरलाल पिता शोराम निवासी चडोल द्वारा बाड़ा बनाकर अवैध कब्जा कर अतिक्रमण किया गया था ।उक्त अवैध कब्जे को प्रभारी तहसीलदार द्वारा गठित राजस्व टीम व ग्राम पंचायत लुहारिया जाट के सहयोग से मौके पर भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई गई (जिसकी अनुमानित कीमत 10 लाख रुपये) है ।

12th

के बाद

MPPSC, SSC, BANK

रेलवे, पुलिस की तैयारी कीजिए

और डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार, वाणिज्यिक कर अधिकारी, SP, DSP, CID इंस्पेक्टर, CBN इंस्पेक्टर, असिस्टेंट कमाण्डेंट, इक्मम टेक्स इंस्पेक्टर, सब इंस्पेक्टर, बैंक क्लर्क, PO, मैनेजर आदि बनिये

22 वर्षों का अनुभव।
1200 से अधिक छात्रों को नौकरी दिला चुके हैं।
धनीराम सगर मार्केट, गायत्री मंदिर के पास,
भागीश्वर मंदिर रोड, नीमच मो. 9300905061

सोनी कोचिंग क्लासेस

ISO 9001 : 2008 Certified

ज्ञानोदय

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में

आयुष्मान योजना लागू

5 लाख रुपए

प्रति वर्ष, पात्र परिवार को निःशुल्क उपचार

GMH

...where healing begins.

आयुष्मान भारत

अब बीमार नहीं रहेगा लाचार, अंचल के भव्य हॉस्पिटल में होगा निःशुल्क उपचार

आयुष्मान कार्ड धारकों के निम्नलिखित बीमारियों कें उपचार निःशुल्क किए जाएंगें –

- जनरल मेडिसीन
- बाल चिकित्सा प्रबंधन
- नवजात गहन शिशु इकाई
- आपातकालीन चिकित्सा
- जनरल सर्जरी
- बर्न प्रबंधन
- प्रसूति एवं स्त्री रोग
- अस्थि एवं हड्डी रोग
- गंधीर चोटें
- संक्रामक रोग

अब उदयपुर एवं इंदौर जाने की जरूरत नहीं

सुपरस्पेशलिस्ट डॉक्टर्स

का समूह एक ही स्थान पर उपलब्ध

ज्ञानोदय मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

ज्ञानोदय महाविद्यालस के पीछे, कनावटी, नीमच ९6262778282

RNI NO. MPHIN38290 (TC)

संपादक : ऐश्वर्य शर्मा

नीमच, बुधवार

16 जुलाई 2025

वर्ष - 02, अंक - 63 - मूल्य 02 रूपए

E-mail: nmh.pawan@gmail.com

Contact: 9407423966, 8770664866

टैरिफ युद्ध अमेरिका पर ही भारी पड़ सकता है



जा चुका है। पूर्व में, ट्रम्प प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है परंतु इसकी अभी तक घोषणा नहीं की जा रही है। हालाँकि, इस बीच अमेरिका द्वारा कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया गया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। इस सूची में भारत का नाम शामिल नहीं है।

पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया

जा चुका है। पूर्व में, ट्रम्प प्रशासन ने 90 दिवस की अवधि में 90 देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करने की बात कही थी तथा 90 दिवस की समयावधि 9 जुलाई को समाप्त होने के पश्चात भी केवल दो देशों ब्रिटेन एवं चीन के साथ ही द्विपक्षीय व्यापार समझौता सम्पन्न हो सका है। भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया जा चुका है परंतु इसकी अभी तक घोषणा नहीं की जा रही है। हालाँकि, इस बीच अमेरिका द्वारा कई देशों के विरुद्ध टैरिफ की दरों को बढ़ा दिया गया है। विशेष रूप से जापान एवं दक्षिणी कोरिया से अमेरिका को आयात होने वाली वस्तुओं पर 1 अगस्त 2025 से 25 प्रतिशत की दर से टैरिफ लगाया जाएगा। इसी प्रकार, 12 अन्य देशों से अमेरिका में होने वाले आयात पर भी टैरिफ की बढ़ी हुई नई दरें लागू किये जाने का प्रस्ताव किया गया है। इस सम्बंध में अमेरिकी राष्ट्रपति ने इन 14 देशों के राष्ट्राध्यक्षों को पत्र भी लिखा है। इस सूची में भारत का नाम शामिल नहीं है।

पूर्व में अमेरिका द्वारा चीन से आयात होने वाले उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ की घोषणा की गई थी। चीन ने भी अमेरिका से होने वाली आयातित वस्तुओं पर लगभग उसी दर पर टैरिफ लागू करने की घोषणा कर दी थी। साथ ही, चीन ने विभिन्न देशों को दुर्लभ खनिज पदार्थों (रेयर अर्थ मिनरल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। अमेरिका में चीन के इस निर्णय का बहुत गहरा प्रभाव पड़ा था। जिसके दबाव में अमेरिका ने चीन के साथ व्यापार समझौता करते हुए चीन से आयात होने वाली विभिन्न वस्तुओं पर टैरिफ की दरों को तुरंत कम कर दिया। अमेरिका द्वारा इसी प्रकार का एक द्विपक्षीय व्यापार समझौता ब्रिटेन के साथ भी सम्पन्न किया



प्रहलाद सबनानी

श्री ट्रम्प द्वारा कई बार यह घोषणा की गई है कि भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौता शीघ्र ही सम्पन्न किया जा रहा है। अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से भारतीय प्रतिनिधि मंडल अमेरिका में गया था तथा निर्धारित समय सीमा से अधिक समय तक वहां रहा एवं ऐसा कहा जा रहा है कि द्विपक्षीय समझौते के अंतिम रूप को अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष प्रस्तुत किया जा चुका है परंतु अभी तक अमेरिका द्वारा अमेरिका एवं भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा नहीं की जा रही है।

संपादकीय

सही हो नीयत

आतंकवाद के खतरे से निपटने के लिए दक्षिण एशियाई देशों के दरम्यान क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने की तत्काल आवश्यकता पर विशेषज्ञों ने जोर दिया। नेपाल अंतरराष्ट्रीय सहयोग एवं सहभागिता संस्थान की तरफ से आयोजित द्वादशदिन एशिया में आतंकवाद : क्षेत्रीय शांति व सुखशा के लिए चुनौतियाँ विषयक संगोष्ठी में यह कहा गया। सीमापार आतंकवादी गतिविधियाँ रोकने, धनशोधन पर अंकुश लगाने के साथ ही दक्षिण एशिया के आतंकवादी कृत्यों की निंदा की गई। लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकवादी संगठनों के नेपाल को पारगमन के तौर पर प्रयोग करने पर भी चिंता व्यक्त की गई। आतंकवाद केवल एशियाई देशों की विकराल समस्या नहीं है। यह वैश्विक संकट है। ताकतवर देशों से ऐसी नीतियाँ लागू करने को कहा जा रहा है, जिनके बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवादी संगठनों से निपटा जा सके। आतंकवादियों के हमले दिनोंदिन घातक होते जा रहे हैं। वे न केवल तकनीकी और अत्याधुनिक प्रशिक्षण देते हैं, बल्कि संगठित रूप से नौजवानों को बर्गला कर संगठन में शामिल करते हैं। वैश्विक स्तर पर किए गए अध्ययन मानते हैं कि बीते छह सालों में आतंकवादी घटनाओं में 32% इजाफा हुआ है। अकेले 2021 के दौरान दुनिया भर में पांच हजार से ज्यादा आतंकी घटनाएँ दर्ज की गईं जिनमें हजारों मासूम जानें तो जाती ही हैं, दहशत की माहौल भी बढ़ता है। ढेरों परिवार उजड़ जाते हैं। 2018-21 के दरम्यान अकेले भारत में आठ हजार के करीब जान गईं। दक्षिण एशियाई देश यूं भी आर्थिक तौर पर समृद्ध नहीं हैं। वहां सीमापार उग्रवाद को रोकना बड़ी चुनौती है। खासकर भारत के लिए पाकिस्तान जैसे मुल्क में चल रहे आतंकी संगठनों से बड़ा खतरा है। जो बड़ी संख्या में आतंकियों को घुसपैठ कराने का जाल मजबूत करता रहता है। भूलना नहीं चाहिए कि आतंकियों को कानूनी भय नहीं दिखाया जा सकता। उसके लिए बगैर किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के घनाश्रय व स्थानीय पुलिस को काम करने की आजादी दी जानी जरूरी है। धनशोधन की लेकर भी पर्याप्त सतर्कता जरूरी है। जब तक आतंकियों को मिलने वाली आर्थिक मदद की कड़ी नहीं तोड़ी जाती, उनके हाँसले परास्त करने में दिक्कत आती रहेगी। आतंकवादियों के प्रत्यर्पण की लेकर भी दुनिया भर की सरकार को आपसी सहमति व लचीलेपन का रुख इच्छियार करना होगा।

चिंतन-मनन

दूसरों के दुख से अपना दुख ज्यादा बेहतर

एक कहावत है राजा दुखी, प्रजा दुखी सुखिया का दुख दुना। कहने का अर्थ यह है कि संसार में जिसे देखो वह अपने को दुखी ही करेगा। राजा का अपना दुख है, प्रजा का अपना और जिसे आप सुखी माने बैठें हैं उससे पूछ कर देखेंगे तो वह भी अपने दुखों की पोटीरी लीकवर अपनी व्यथा गाने लगेगा। लेकिन अगर आपके पास यह विकल्प हो कि आप अपना दुख किसी और को देकर दूसरे का दुख खुद स्वीकार कर लें तब आप कहेंगे कि अपना ही दुख भला है। इस संदर्भ में एक कथा है कि किसी गांव में एक फकीर आये। उनकी विशेषता यह थी कि वे किसी की भी समस्या दूर कर देते थे। उनकी इस विशेषता के बारे जिसे भी पता चला, वह उनके पास दौड़ा आया। अच्छी खासी भीड़ जमा हो गई और लोग जल्दी से जल्दी अपनी समस्या फकीर को बताने की जुगत बिड़ाने लगे। नतीजा यह हुआ कि हर कोई बोलने लगा। कोलाहल मच गया। फकीर ने सभी को चुप होने के लिए कहा। सभी लोग चुप हो गये तब फकीर ने कहा, मैं सबकी समस्या दूर कर दूंगा। आप सब लोग एक-एक कागज पर अपनी समस्या लिखकर लाएं और मुझे दें। कुछ ही देर में कागजों का ढेर लग गया। फकीर ने कागजों को एक टोकरी में रखा और उसे सबके बीच में रख दिया। एक आदमी की तरफ इशारा करके फकीर ने कहा, यहां से शुरू करके सब बारी-बारी से आएंगे और एक-एक कागज उठा लें। ध्यान रहे किसी को अपना कागज नहीं उठाना है। लोग एक-एक कर आए कागज उठा-उठा कर अपनी-अपनी जगह बैठ गए। फकीर ने कहा, अब इस कागज में लिखी किसी दूसरे की समस्या पढ़ो। अगर चाहो तो मैं तुम्हारी समस्या दूर कर दूंगा पर उसके बदले कागज पर लिखी समस्या तुम्हारी हो जाएगी। तुम्हें लगता है कि तुम्हारी समस्या बड़ी है तो उसे दूर करवाकर कागज पर लिखी दूसरे की छोटी-सी समस्या अपना लो। चाहो तो आपमें से कागज बदल लो।...



विनोद कुमार सिंह

आजादी के 75 साल बाद ट्रेन की सौगात जल्दी ही मिलने जा रही है। बैराबी-सायरंग रेलवे प्रोजेक्ट अब पूरी तरह से तैयार है। रेलवे की 51. 38 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन के जरिए अब मिजोरम की राजधानी आइजोल को देश के अन्य हिस्सों से जोड़ दिया गया है रेलवे की यह बन कर तैयार है। यह मुखद पल जल्द ही मिजोरम के लोगों को यह क्षण का बर्षों से इंतजार था। रेलवे अधिकारी के अनुसार,ट्रेनें इस ट्रेक पर 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी व रेलवे का नेटवर्क आने वाले वर्षों में इस नेटवर्क की म्यांमार बॉर्डर जो यहाँ से लगभग 232 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। फिलहाल इस परियोजना का सर्वेक्षण कार्य चल रही है रेलवे के इस नवनिर्मित नए रूट में मिजोरम के भीतर बैराबी, कुर्तिकी,कांयपुई, मुलखांग और सायरंग जैसे स्टेशन शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट को 2008 में शुरू किया जाना था , लेकिन इसे असली रफ्तार सन् 2014 में केन्द्र में मोदी सरकार आने के बाद मिली थी। मोदीने प्रोजेक्ट की आधारशिला रखी गई थी इसमें करीब 5,022 करोड़ रुपयों की लागत से बने इस परियोजना में चार प्रमुख रेलवे स्टेशन शामिल हैं तथा पुल नंबर 144, जो मुलखांग और सायरंग के बीच बना है।यानी दिल्ली के कुतुब मीनार से भी 42 मीटर



अतुल कुनक

वाहनों के कारण बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए दुनिया भर में जीवाश्म ईंधन अर्थात पेट्रोल और डीजल के उपयोग को धीरे-धीरे कम करके वैकल्पिक ऊर्जा के अपयोग को बढ़ावा देने की नीति अपनाई जा रही है। वाहनों के कारण वातावरण में घुलने वाला प्रदूषण आम जन की सेहत का दुश्मन हो गया है, और इसे समाप्त करने के प्रभावशाली उपाय किए ही जाने चाहिए। अधिकतर देशों में जीवाश्म ईंधन के स्थान पर बिजली-चालित वाहनों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, लेकिन क्या बिजली से चलने वाले वाहनों का उपयोग पूरी तरह प्रदूषण पर रोक लगा सकेगा? इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी की पिछले दिनों जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा बिजली उत्पादक देश बन गया है। भारत में बिजली उत्पादन की कुल स्थापित क्षमता 4,67,885 मेगावॉट है। यह क्षमता किसी भी महाशक्ति के नखरों को मुंह चिढ़ाने के लिए पर्याप्त है, लेकिन भारत की जनसंख्या

ऊँचा है रेलवे के परियोजना के प्रमुख इंजीनियर विनोद कुमार के अनुसार,इस परियोजना में कुल 154 छोट-बड़े पुल समेत 48 टनल का निर्माण ऐसी तकनीकों से डिजाइन किया गया है कि जिससे यह कम से कम 100 साल तक बिना किसी परेशानी और खराबी के चलाए जा सके।यह क्षेत्र अर्धवृक्के जोन 5 में आता है,मगर आई आई टी कानपुर और आई आई टी गुवाहाटी की मदद से इस रेल लाइन को तकनीकी रूप से बेहद मजबूत और टिकाऊ बनाया गया है।आपके मन में मिजोरम व आइजोल के बारे में जिज्ञासा होगी।मै स्पष्ट कर दूँ कि आइजोल की स्थापना सन 1890 में ब्रिटिश शासन के दौरान हुई थी। लुशाई पहाड़ियों में स्थानीय सरदारों को अंग्रेजों द्वारा पराजित करने के बाद, इसकी शुरुआत एक छोटी सैन्य चौकी के रूप में हुई थी,तथा ईसाई मिशनरियों की स्थापना के साथ शाय शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की शुरुआत हुई,कालान्तर इस शहर का विकास हुआ। सन 1960 के दशक में मिजो नेशनल फ्रंट के विद्रोह में भी इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।वर्षों की अशांति के बाद,सन1986 के मिजोरम शांति समझौते के साथ यहाँ शांति स्थापित हुई।मिजोरम की भौगोलिक वसांस्कृतिक,साथ यह स्थान सामरिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण है।पुरवोत्तर का यह प्रदेश बांग्लादेश और म्यांमार सेअंतर्राष्ट्रीय सीमाएं से सटी हुई है,वही प्रदेश की सीमाएं असम,मणिपुर और त्रिपुरा से पुरोत्तर राज्यों से लगती हैं।मिजोरम राज्य को पहले असम के लुशाई हिल्स के नाम से जाना जाता था।हस्पके बाद साल 1954 में यहां का नाम बदल कर मिजो हिल्स रख दिया गया जिसे सन1972 में यह एक केंद्र शासित राज्य घोषित किया गया है।अंत में 20 फरवरी 1987 को इसे भारत के पूर्ण राज्य का दर्जा दिया गया।मिजोरम भारत के तीन ईसाई बहुल राज्यों में से एक है,जहाँ 87% से अधिक आबादी ईसाई,बौद्ध धर्म (8.51%),

हिंदू (2.75%) व इस्लाम(1.35%)भी मौजूद हैं।स्थानीय संस्कृति और खानपान,यहाँ की मिजो संस्कृति को सरलता और प्रकृति के प्रति प्रेम की मिसाल माना जाता है।मिजोरम का मुख्य भोजन चावल मांस,मछली और सब्जियों के साथ खयाा जाता है।यहाँ आप को जगह जगह बास के कोमल कोपल (स्पेदअंकुर),जंगली मशरूम और स्थानीय जड़ी-बूटियां यहां के व्यंजनों की खास पहचान है।यहाँ के निवासी की वेशभुषा,संस्कृति व उत्सव व जीवन शैली की विशेष पहचान है।यहाँ की प्राकृतिक फिजाओं में वायु प्रदुषण व ध्वनि प्रदुषण नगण्य है।यातायात व्यवस्था हार्न फ्री के शांत शहर के नाम से जाना जाता है। यहाँ की प्राकृतिक फिजाओं में वायु प्रदुषण व ध्वनि प्रदुषण नगण्य है।यातायात व्यवस्था हार्न फ्री के शांत शहर के नाम से जाना जाता है। भौगोलिक दृष्टि कोण से ऊंची व घुमादार पहाड़ियों की तलहटीयों पर बसी मिजोरम,समुद्री तल से लगभग 1,132 मीटर (3,715 फीट) की ऊँचाई पर स्थित है,जिससे यहाँ सड़क मार्ग से सामान और लोगों की आवाजाही चुनौती पूर्ण रही है।ऐसे में भारतीय रेलवे के द्वारा रेलवे की यह परियोजना क्रांतिकारी कदम है।वर्तमान में असम के बंदरपुर से कथकल होते हुए भैरवी तक रेल का संचालन हो रहा है।मिजोरम में 51.38 किलोमीटर लंबा ट्रेक तैयार किया गया है,जो भैरवी,कुर्तिकी, मुलखांग और सायरंग स्टेशनों को जोड़ता है।जल्द ही इस मार्ग पर विस्टाडोम ट्रेनों का परिचालन भी शुरू होने वाला है,जिससे पर्यटकों को पहाड़ी दृश्यों का शानदारअनुभव मिलेगा।राष्ट्रीय सुखशा और व्यापार दोनों का विकास इस प्रस्तावित नए ट्रेक के जरिए न सिर्फ स्थानीय लोगों को सुविधाएं मिलेंगी,बल्कि सीमा व राष्ट्रीय सुरक्षा से सैन्य तैनाती,आपात कालीन सामग्री और निगरानी में भी तेजी

प्रदूषण: सुचारु हो सार्वजनिक परिवहन सेवा

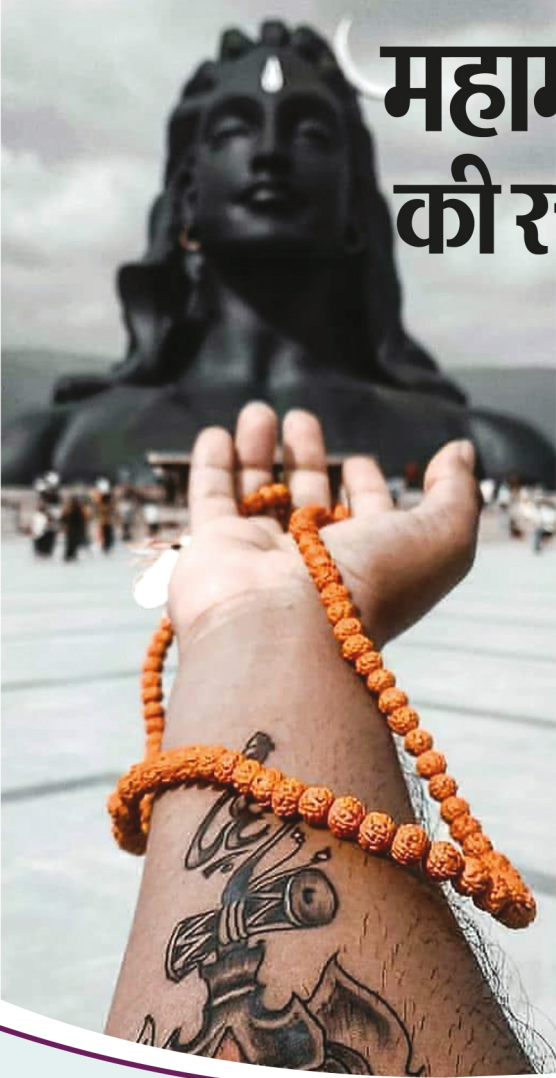


और क्षेत्रफल को देखते हुए इस क्षमता को अभी कई गुना बढ़ाया जाना आवश्यक है। अभी भी आबादी के बड़े हिस्से को उसकी आवश्यकताओं के अनुसार बिजली की आपूर्ति नहीं हो पाती। मांग-आपूर्ति का अंतर खासकर ग्रामीण इलाकों में अभी भी सरकारों के लिएपंचता का विषय है। यदि यह विकल्प वाहनों के कारण होने वाले प्रदूषण को प्रभावी हद तक रोक देता तो व्यापक जनहित में इसे स्वीकार किया जाना चाहिए। लेकिन धरातल पर स्थितियों के कुछ अन्य पक्ष भी सामने आते हैं, निश्चित रूप से हमारे नीति- निर्यातओं ने उन्हें अनदेखा नहीं किया होगा। लेकिन उन पक्षों पर पर्याप्त चर्चा के प्रमाण नहीं मिलते। इनमें प्रमुख है कि जिस बिजली के उपयोग से वाहनों द्वारा होने वाले प्रदूषण पर नियंत्रण स्थापित किए जाने की बात की जा रही है, उस

बिजली का उत्पादन पूरी तरह प्रदूषण-मुक्त नहीं है। भारत में बिजली उत्पादन का बड़ा हिस्सा आज भी ताप विद्युत गृहों से प्राप्त होता है। जून, 2024 के आंकड़ों के अनुसार भारत में कोयले से प्राप्त बिजली 2,10,969 मेगावॉट थी। मार्च, 2014 में यह आंकड़ा 1,39,663 मेगावॉट था। भारत को बिजली उत्पादन की क्षेत्र में बड़ी ताकत बनाने में ताप विद्युत गृहों का महत्वपूर्ण योगदान है, लेकिन कोयला किसी भी अन्य ऊर्जा स्रोत की तुलना में अधिक प्रदूषण उत्सर्जित करता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, कोयले से बिजली उत्पादन के दौरान प्रति यूनिट बिजली पर करीब एक लीटर कार्बन डाई ऑक्साइड निकलती है। यह आंकड़ा बताता है कि कोयले से बिजली बनाना पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से कितना असुरक्षित है। परमाणु ऊर्जा अपेक्षाकृत प्रदूषण-मुक्त मानी जा सकती



लाई जा सकेगी। पूर्वोत्तर भारत में रेलवे के बदलाव की बयार असली कहानी सिर्फ रेल की पटरियाँ व सुरंग,पुल ही नहीं कर रहे,बल्कि इसका असर काफी गहरा है।ये परियोजनाएं स्थानीय लोगों के जीवन शैली पर सीधा असर डाल रही हैं जो पहले खुद को उपेक्षित समझते थे।नया रेल नेटवर्क पूर्वोत्तर की जीवन रेखा बन गई है।जैसे-जैसे भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थ व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है,पूर्वोत्तर की भागीदारी भी बढ़ रही है और देश के विकास में अंहम भूमिका निभा रही है।



महामृत्युंजय मंत्र की रचना कैसे हुई

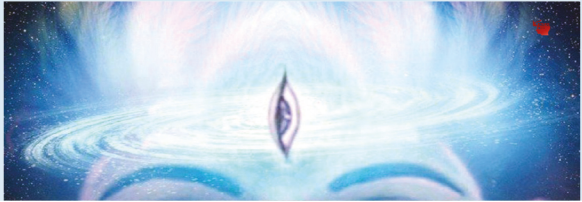
महामृत्युंजय मंत्र को लंबी उम्र और अच्छी सेहत का मंत्र कहते हैं। शास्त्रों में इसे महामंत्र कहा गया है। इस मंत्र के जप से व्यवित निरोगी रहता है। आइए जानें इस महामंत्र की उत्पत्ति कैसे हुई?

महामृत्युंजय मंत्र की उत्पत्ति के बारे में पौराणिक कथा प्रचलित है। कथा के अनुसार, शिव भवत ऋषि मृकण्डु ने संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की कठोर तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव ने ऋषि मृकण्डु को इच्छानुसार संतान प्राप्त होने का वर तो दिया परन्तु शिव जी ने ऋषि मृकण्डु को बताया कि यह पुत्र अल्पायु होगा। यह सुनते ही ऋषि मृकण्डु विषाद से घिर गए। कुछ समय बाद ऋषि मृकण्डु को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ऋषियों ने बताया कि इस संतान की उम्र केवल 16 साल ही होगी। ऋषि मृकण्डु दुखी हो गए यह देख जब उनकी पत्नी ने दुःख का कारण पूछा तो उन्होंने सारी बात बताई। तब उनकी पत्नी ने कहा कि यदि शिव जी की कृपा होगी, तो यह विधान भी वे टाल देंगे। ऋषि ने अपने पुत्र का नाम मार्कण्डेय रखा और उन्हें शिव मंत्र भी दिया। मार्कण्डेय शिव भक्ति में लीन रहते। जब समय निकट आया तो ऋषि

मृकण्डु ने पुत्र की अल्पायु की बात पुत्र मार्कण्डेय को बताई। साथ ही उन्होंने यह दिलासा भी दी कि यदि शिवजी चाहेंगे तो इसे टाल देंगे। माता-पिता के दुःख को दूर करने के लिए मार्कण्डेय ने शिव जी से दीर्घायु का वरदान पाने के लिए शिव जी आराधना शुरू कर दी। मार्कण्डेय जी ने दीर्घायु का वरदान की प्राप्ति हेतु शिवजी की आराधना के लिए महामृत्युंजय मंत्र की रचना की और शिव मंदिर में बैठ कर इसका अखंड जाप करने लगे।
महामृत्युंजय मंत्र : ॐ त्र्यम्बकं स्यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् । उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात्
समय पूरा होने पर मार्कण्डेय के प्राण लेने के लिए यमदूत आए परंतु उन्हें शिव की तपस्या में लीन देखकर वे यमराज के पास वापस लौट आए, पूरी बात बताई। तब मार्कण्डेयके प्राण लेने के लिए स्वयं साक्षात यमराज आए। यमराज ने जब अपना पाश जब मार्कण्डेय पर डाला, तो बालक मार्कण्डेय शिवलिंग से लिपट गए। ऐसे में पाश गलती से शिवलिंग पर जा गिरा। यमराज की आक्रमकता पर शिव जी बहुत क्रोधित हुए और यमराज से रक्षा के लिए भगवान शिव प्रकट हुए। इस पर यमराज ने विधि के नियम की याद दिलाई। तब शिवजी ने मार्कण्डेय को दीर्घायु का वरदान देकर विधान ही बदल दिया। साथ ही यह आशीर्वाद भी दिया कि जो कोई भी इस मंत्र का नियमित जाप करेगा वह कभी अकाल मृत्यु को प्राप्त नहीं होगा।

विवेक है शिव का तीसरा नेत्र

शिव का अर्थ है कल्याण करने वाला पर उनका दूसरा प्रसिद्ध नाम रुद्र भी है क्योंकि वह दुष्टों को रूलाने वाले हैं। करोड़ों देवी-देवताओं में शिव ही हैं जिन्होंने 3 नेत्र धारण किए हैं। सृष्टि के सृजन, पालन और संहार का दायित्व शिव के पास है। इस प्रकार शिव का एक नेत्र ब्रह्मा अर्थात सृजनकर्ता, दूसरा विष्णु अर्थात पालनकर्ता तीसरा स्वयं रुद्र रूप अर्थात संहारकर्ता। अन्य प्रकार से देखें तो पहला नेत्र धरती, दूसरा आकाश और तीसरा नेत्र बुद्धि के देव सूर्य की व्योति से प्राप्त ज्ञान-अग्नि का प्रतीक है। ज्ञान जब खुला तो कामदेव भस्म हुआ। अर्थात जब आप अपने ज्ञान और विवेक की आंख खोलते हैं तो कामदेव जैसी बुराई लालच, भ्रम, अंधकार आदि से स्वयं को दूर कर सकते हैं। इसके पीछे कथा भी है। एक बार पार्वती जी ने भगवान शिव के पीछे जाकर उनकी दोनों आंखें हथेलियों से बंद कर दीं। इससे समस्त संसार में अंधकार छा गया क्योंकि भगवान शिव की एक आंख सूर्य है, दूसरी चंद्रमा। अंधकार से संसार में हाहाकार मच गया तब भोले भंडारी ने तुरन्त अपने माथे से अग्नि निकाल कर पूरी दुनिया में रोशनी फैला दी। रोशनी इतनी तेज थी कि इससे हिमालय जलने लगा। इस दृश्य को देखकर पार्वती घबरा गईं तथा तुरन्त अपनी हथेलियां शिव की आंखों से हटा दीं। तब शिव जी ने मुस्कुरा कर अपनी तीसरी आंख बंद की। शिव पुराण के अनुसार पार्वती जी को इससे पूर्व ज्ञान नहीं था कि शिव त्रिनेत्रधारी हैं। इनका दायां नेत्र सूर्य के समान तेजस्वी है। जिस प्रकार सूर्य में उत्पन्न करने की विशेष ऊर्जा है और वह पृथ्वी ही नहीं, अनेक ग्रहों को भी प्रकाशमय करता है। उसी प्रकार शिव का दायां नेत्र भी सृष्टि को जीवन दायक शक्ति प्रदान करता है। स्वयं सूर्य को भी शिव के इसी नेत्र से तेज मिलता है। वैदिक ग्रंथों में शिव एवं चंद्रमा का विशेष संबंध बताया गया है। जलतत्व सोम को अमृततुल्य माना जाता है। जीवन का पोषण जल ही करता है और यही जल तत्व शिव का बायां नेत्र है। शिव का तीसरा नेत्र जो बंद ही रहता है, अग्नि रूप है। यह वही अग्नि है जो सकारात्मक रूप में तो कल्याणकारी है परन्तु यदि इस पर अंकुश न लगाया जाए तो यही विनाश का कारण भी बनती है। शिव अपनी इस शक्ति पर नियंत्रण रखते हैं और इसका इस्तेमाल केवल बुराई के नाश के लिए ही करते हैं। इस संबंध में एक कथा भी है। सृष्टि के समय जीव में रस की प्राप्ति के लिए कामदेव को जिम्मेदारी दी गई परन्तु जब कामदेव ने शिव पर ही अपनी शक्ति का परीक्षण करना चाहा तो शिव ने अपने तीसरे नेत्र की संहारक शक्ति का प्रयोग कर उसे तत्काल भस्म कर दिया। इसी प्रकार जीव को कर्म करने की स्वतंत्रता है और यदि वह अपने अंदर की बुराइयों (काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार) पर अपने तीसरे नेत्र का अंकुश रखे, तो वह सदैव सुखी रहेगा परन्तु यदि वह इन पर अंकुश नहीं रख पाता तो यही उसका विनाश कर देती है। शिव और शक्ति एक-दूसरे के पर्याय हैं। इसलिए शिव के तीनों नेत्र शिव का ही प्रतीक हैं, जो क्रमशः गौरी के रूप में जीव को मातृत्व का स्नेह देते हैं, लक्ष्मी के रूप में उसका पोषण करते हैं तथा काली के रूप में उसकी आंतरिक तथा बाहरी बुराइयों का नाश करते हैं। भगवान भोले भंडारी के ललाट पर सुशोभित तीसरा नेत्र असल में मुक्ति का द्वार है जो शिव को तो स्वतः प्राप्त है लेकिन मनुष्य अज्ञान के चलते इसे अपने मस्तक पर देख नहीं पाता। यह दोनों नेत्रों के मध्य इसलिए है क्योंकि यह स्थान पवित्र माना गया है। त्राटक के मध्य कुंडलिनी जागरण का भी विशेष महत्व है। यही स्थान सर्वाधिक ऊर्जावान है। इसी स्थान पर विशेष दबाव अपना प्रभाव दिखाता है। दूसरी ओर शिव के अधखुले नेत्र व्यक्ति के कर्म के साक्षी हैं। इसी कारण शिव को परमयोगी कहा जाता है। गृहस्थ में रह कर भी शिव सृष्टि का नियंत्रण, (सृजन, पालन तथा संहार) स्वतंत्र रूप में करते हैं। स्वयं पर नियंत्रण, अपने कर्मों का सही आकलन ही शिव के तीनों नेत्रों का रहस्य है। शिव का तीसरा नेत्र ही मुक्ति का द्वार है.,



शिवजी योगी से क्यों बने गृहस्थ

भगवान शिव एक योगी हैं, बैरागी हैं और संन्यासियों को गुरु हैं। वे परिव्राजक है अर्थात जगह जगह घूमते रहते हैं और जब घूमना बंद होता है तो बस समाधी में लीन रहते हैं।



- भगवान शिव महान योगी थे और वे हमेशा ही समाधी और ध्यान में ही लीन रहते थे लेकिन माता पार्वती का ये प्रेम ही था कि योगी बना एक गृहस्थ।
- गृहस्थ का योगी होना जरूरी है तभी वह एक सफल दाम्पत्य जीवन का निर्वाह कर सकता है।
- भगवान शिव के साथ उल्टी गंगा बही। कई लोग ऐसे हैं जो विवाह के बाद उम्र के एक पड़ाव पर जाकर बैरागी बनकर संन्यस्त होकर अपनी पत्नी को छोड़ चले। जैसे गौतम बुद्ध या अन्य कई ऋषि मुनि, परंतु भगवान शिव तो पहले से ही योगी, संन्यासी या कहीं कि बैरागी थे।
- यह तो माता पार्वती का तप ही था जो योगी गृहस्थ बन गए। कहना तो यह चाहिए कि माता पार्वती भी तो जोगन थीं। पत्नी के साथ यदि सात जन्म के फरे लिए हैं तो फिर के से इसी जन्म में संन्यास के लिए छोड़कर चले जाएं? भगवान शंकर ने यह सबसे बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था।
- माता सती ने जब दूसरा जन्म हिमवान के यहां पार्वती के रूप में लिया तब उन्होंने पुनः शिव को पाने के लिए घोर तप और व्रत किया। उस दौरान तारकासुर का आतंक था। उसका वध शिवजी का पुत्र ही कर सकता था ऐसा उसे वरदान था। लेकिन शिवजी तो तपस्या में लीन थे। ऐसे में देवताओं ने शिवजी का विवाह पार्वतीजी से करने के लिए एक योजना बनाई। उसके तहत कामदेव को तपस्या भंग करने के लिए भेजा गया। कामदेव ने तपस्या तो भंग कर दी लेकिन वे खुद भस्म हो गए। बाद में शिवजी ने पार्वतीजी से विवाह किया। इस विवाह में शिवजी बरात लेकर पार्वतीजी के यहां पहुंचे। इस कथा का रोचक वर्णन पुराणों में मिलेगा। शिव को विश्वास था कि पार्वती के रूप में सती लौटेंगी तो पार्वती ने भी शिव को पाने के लिए तपस्या के रूप में समर्पण का एक आदर्श उदाहरण प्रस्तुत किया।

शिवजी

शिवजी को बिल्वपत्र, धतूरा और आंकड़ा अर्पित करना बहुत ही शुभ माना जाता है। हिन्दू धर्म में बिल्व अथवा बेल (विल्ला) पत्र भगवान शिव की आराधना का मुख्य अंग है। शिवजी को अर्पित करने के 12 फायदे।

- कहते हैं शिव को बिल्वपत्र चढ़ाने से लक्ष्मी की प्राप्ति होती है क्योंकि बिल्वपत्र की जड़ में साक्षात लक्ष्मीजी का वास होता है। इसीलिए इसके वृक्ष को श्रीवृक्ष भी कहते हैं। इसकी पूजा करने से धन की प्राप्ति होती है।
- इस वृक्ष की जड़ में घी, अन्नी, खीर या मिष्ठान दान अर्पित करने से दरिद्रता का नाश होता है और कभी भी धनाभाव नहीं रहता है।
- इस वृक्ष की जड़ का विधिवत पूजन करने से सभी प्रकार के पापों से मुक्ति मिल जाती है।
- यदि संतान सुख पाना चाहते हैं तो शिवलिंग पर इसका फूल, धतूरा, गंध और स्वयं बिल्वपत्र चढ़ाने के बाद इस वृक्ष के जड़ का पूजन करना चाहिए।
- बिल्वपत्र के वृक्ष की जड़ का जल अपने माथे पर लगाने से समस्त तीर्थ यात्राओं का पुण्य प्राप्त होता है।
- बिल्वपत्र की जड़ को पानी में धिसकर फिर उबालकर औषधि के रूप में प्रयोग किया जाता है। कष्टकारी रोगों में भी यह अमृत के समान लाभकारी होती है।

बिल्वपत्र की जड़ में होता है साक्षात लक्ष्मीजी का वास

- पाचन क्रिया के दोषों से पैदा बीमारियों से रक्षा करता है।
- बिल्वपत्र का सेवन त्वचा रोग और डायबिटीज के बुरे प्रभाव बढ़ने से भी रोकता है व तन के साथ मन को भी चुस्त-दुरुस्त रखता है।
 - हिन्दू धर्म में बिल्व वृक्ष के पत्र (पते) शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। भगवान शिव इसे चढ़ाने से प्रसन्न होते हैं।
 - जो व्यक्ति शिव-पार्वती की पूजा बेलपत्र अर्पित कर करते हैं, उन्हें महादेव और देवी पार्वती दोनों का आशीर्वाद मिलता है।
 - यह माना जाता है कि देवी महालक्ष्मी

- का भी बेल वृक्ष में वास है। जिस घर में एक बिल्व का वृक्ष लगा होता है उस घर में लक्ष्मी का वास बतलाया गया है।
- बिल्व पत्र को शिवजी के तीनों नेत्रों का प्रतीक भी माना जाता है। यह तीन नेत्र भूत, भविष्य और वर्तमान देखते हैं। उसी तरह महाशिवरात्रि के दिन शिवजी को बिल्व पत्र चढ़ाने से समृद्धि, शांति और शीतलता आती है।
 - चतुर्थी, अष्टमी, नवमी, चतुर्दशी, अमावस्या और किसी माह की संक्रांति को बिल्वपत्र नहीं तोड़ना चाहिए।

बिल्वपत्र चढ़ाने का मंत्र

नमो बिल्लिम्नने च कवचिन्ने च नमो वर्म्मिणे च वरूथिन्ने च ।
नमः श्रुताय च श्रुतसेनाय च नमो दुन्दुब्भ्याय वा हनन्याय च नमो घृष्णवे ।
दर्शनं बिल्वपत्रस्य स्पर्शनम् पापनाशनम् । अधोर पाप संहारं बिल्व पत्रं शिवार्पणम् ।
त्रिदलं त्रिगुणाकारं त्रिनेत्रं च त्रिधायुधम् । त्रिजन्मपापसंहारं बिल्वपत्रं शिवार्पणम् ।
अखण्डं बिल्वपत्रैश्च पूजयेत् शिव शंकरम् । कोटिकन्या महादानं बिल्व पत्रं शिवार्पणम् ।

शिवजी का अत्यंत प्रिय मास चल रहा है, इस माह में पूरे मन से शिव जी का पूजन करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है। आइए जानते हैं किस प्रकार की मनोकामना के लिए शिव शंकर का किस द्रव्य से पूजन करना चाहिए। सभी अभिषेक द्रव्य का फल अलग-अलग है। यहां जानिए-

- गंगाजल या शुद्ध जल- सौभाग्य वृद्धि।
- दुग्ध

10 मनोकामना, 10 द्रव्य 10 सरल अभिषेक

- गाय का- गृह शांति तथा लक्ष्मी प्राप्ति ।
- सुगंधित तेल- भोग प्राप्ति ।
 - सरसों का तेल- शत्रु नाश ।
 - मीठा जल या दुग्ध- बुद्धि प्राप्ति ।
 - घी- वंश वृद्धि ।
 - पंचामृत- मनोवांछित प्राप्ति के लिए ।
 - गन्ने का रस या फलों का रस- लक्ष्मी तथा ऐश्वर्य प्राप्ति ।
 - छाछ- ज्वर से छुटकारा ।
 - शहद- ऐश्वर्य प्राप्ति ।



भगवान शिवशंकर करोड़ों सूर्य के समान दीप्तिमान हैं। जिनके ललाट पर चन्द्रमा शोभायमान है। नीले कण्ठ वाले, अमिष्ट वस्तुओं को देने वाले हैं। तीन नेत्रों वाले यह शिव, काल के भी काल महाकाल हैं। कमल के समान सुन्दर नयनों वाले अक्षमाला और त्रिशूल धारण करने वाले अक्षर- पुरुष हैं। यदि क्रोधित हो जाएं तो त्रिलोक को भस्म करने के शक्ति रखते हैं और यदि किसी पर दया कर दें तो त्रिलोक का स्वामी भी बना सकते हैं। यह भयावह भव सागर पार कराने वाले समर्थ प्रभु हैं। भोले नाथ बहुत ही सरल स्वभाव, सर्वव्यापी और भक्तों से शीघ्र ही प्रसन्न होने वाले देव हैं। उनके सामने मानव वया दानव भी वरदान मागने आये जो उसे भी गृह मांगा वरदान देने में पीछे नहीं हटते हैं।

श्रावण में शिवजी होते हैं शीघ्र प्रसन्न

रुद्राभिषेक भी कराना चाहिए। इस व्रत में श्रावणमाहात्म्य और श्रीशिवमहापुराण की कथा सुनने का विशेष महत्त्व है। पूजन के पश्चात् ब्राह्मण-भोजन कराकर एक बार ही भोजन करने का विधान है। भगवान शिव का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। मनीषियों का कहना है कि समुद्र मंथन भी श्रावण मास में ही हुआ। इस मंथन मंज 14 प्रकार के तत्व निकले। इसमें जहर को छोड़ कर सभी 13 तत्वों को देवताओं और राक्षसों में वितरित किया गया। इन सभी तत्वों में से निकले जहर को भगवान् शिव पी गये और इसे अपने कंठ में संग्रह कर लिया। इस प्रकार इनका नाम नील कंठ पड़ा। इसके बाद देवताओं ने भगवान शिव को जहर के संताप से बचाने के लिए उन्हें गंगा जल अर्पित किया। इसके बाद से ही शिव भक्त श्रावण मास में भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। श्रावण मास भगवान शिव का प्रिय मास है। इसलिए भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए अपनाएं जरूरी बातें -

- श्रावण मास में रुद्राक्ष पहनना बहुत ही शुभ माना गया है। इसलिए पूरे मास रुद्राक्ष की माला धारण करें व रुद्राक्ष माला का जाप करें।
- शिव को भभूती लगावें। अपने मस्तक पर भी लगावें।
- शिव चालीसा और आरती का गायन करें।
- महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
- सोमवार को श्रद्धापूर्वक व्रत धारण करें. (यदि पूरे दिन का व्रत सम्भव न हो तो सूर्यास्त तक भी व्रत धारण किया जा सकता है)
- बेलपत्र, दूध, शहद और पानी से शिवलिंग का अभिषेक करें।

श्रावण मास के अन्य व्रत

अपराधों से बचने के लिए नवविवाहित जोड़ों को मंगलागौरी व्रत धारण करना चाहिए। शुक्रवार को सुहागिन स्त्रियों को वरदलक्ष्मी व्रत (श्रावण शुक्रवार व्रत) धारण करना चाहिए। ओम नमः शिवाय, का जप चलते, फिरते, उठते-बैठते करते रहना चाहिए।

मनचाही उन्नति के लिए श्रावण में शिव को चढ़ाएं ये शुभ प्रसाद

हम सभी जानते हैं कि शिव को भोलेभंडारी और आशुतोष कहा जाता है। भोले यानी मासूम और आशुतोष यानी तुरंत तुष्ट या प्रसन्न होने वाले। शिव को सुहागि और सच्चे भाव से जो अर्पित किया जाता है वह ग्रहण करते हैं शिव को सामान्यतः गेहू से बनी चीजे अर्पित की जाती हैं। ऐश्वर्य पाने के लिए शिव को भोग का भोग लगाया जाना चाहिए। मनचाहा जीवनसाथी पाने के लिए शिव को चने की दाल का भोग लगाया जाना चाहिए। शिव को तिल चढ़ाने की भी मान्यता है। शिव को तिल चढ़ाने से पापों का नाश होता है। श्रावण में चढ़ाए शिव जी को यह प्रसाद

- इमरती ●खीर ●मावा लड्डू ●झायफूट्स ●रबड़ी ●मालपुए ●खोपरापाक ●बूंदी के लड्डू ●कफी ●बेसन के व्यंजन ●कलाकंद ●मसूर पाक ●रसमलाई ●पेड़ा ●धेवर ●सत्तू की मिठाई ●हलवा ●सेठा ●गुलाब जामुन ●जलेबी ●रसगुल्ला।

इसके अलावा नारियल बर्फी, मक्खन बड़ा, मोदक, चमचम, मिल्क केक, पुप, बूंदी आदि।



दित्यांग मुकेश मईड़ा को एक सप्ताह में मिलेगी अनुकंपा नियुक्ति - चंद्रा

कलेक्टर ने जनसुनवाई में की बालक हसन के तत्काल निःशुल्क उपचार की व्यवस्था

नीमच 15 जुलाई (निप्र)। दिव्यांग मुकेश मईड़ा को एक सप्ताह में सहायक ग्रेड-3 के पद पर अनुकंपा नियुक्ति का आदेश प्रदान किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को जनसुनवाई में दिव्यांग मुकेश मईड़ा के आवेदन पर कार्यवाही करते हुए जिला शिक्षा अधिकारी नीमच व प्रभारी अधिकारी स्थापना कलेक्टोरेट नीमच को दिए।

जनसुनवाई में मुकेश मईड़ा ने शिक्षा विभाग में कार्यरत अपने पिता दलसिंह मईड़ा की मृत्यु के उपरांत काफी दिनों से अनुकम्पा नियुक्ति नहीं मिलने पर अनुकंपा नियुक्ति दिलावे का अनुरोध कलेक्टर से किया।

इस पर कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी से प्रकरण की जानकारी लेकर एक सप्ताह में सभी कार्यवाही नियमानुसार पूरी कर मुकेश मईड़ा को नियुक्ति प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

बालक हसन का अरविंदो में होगा निःशुल्क उपचार,



चक ब्लॉक को भी मिलेगी हर घर नल से जल की सुविधा - जनसुनवाई में कलेक्टर चंद्रा ने सिंगोली निवासी समीर खान पिता बरकत हुसैन के आवेदन पर समीर के पुत्र हसन के हृदय का उपचार अरविंदो इंद्रौर में निःशुल्क करवाने की व्यवस्था की गई है। समीर के पुत्र हसन का आर.बी. एस.के.तहत अरविंदो हॉस्पिटल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा निःशुल्क दिल में छेद का आपरेशन करवाया गया था। परंतु आपरेशन होने के कुछ दिनों बाद हसन को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं होने लगीं। इस

पर जनसुनवाई में समीर ने पुत्र के उपचार का कलेक्टर से अनुरोध किया। कलेक्टर चंद्रा ने अरविंदो के प्रबंधक से चर्चा कर शिशु हसन को पुनः निःशुल्क उपचार सुविधा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को भी हसन के उपचार के लिए अरविंदो में निरंतर फालोअप करने के निर्देश दिए। इस तरह जनसुनवाई में अपने नन्हें पुत्र हसन के उपचार की व्यवस्था हो जाने पर समीर व उसकी पत्नि खुशी-खुशी, कलेक्टर चंद्रा को धन्यवाद देते हुए अपने घर सिंगोली

रवाना हो गये। जनसुनवाई में चक ब्लॉक (रामनगर, सुटोली) की महिलाओं ने कलेक्टर से गांव कनेरा में जाने वाले मार्ग पर कच्ची सड़क को दुस्त करवाने और गांव में हर घर नल से जल योजना में शामिल करने का अनुरोध किया। इस पर कलेक्टर ने पंचायत के माध्यम से सड़क निर्माण करवाने की बात कही और ग्रामीण महिलाओं को विश्वास दिलाया, कि गांधी सागर समूह प्रदाय योजना में उनका गांव, मजरा भी शामिल कर लिया गया है। उनके गांव के सभी घरों में नल कनेक्शन प्रदान किए जाएंगे। कोई भी घर छूटंगा नहीं। कलेक्टर चंद्रा की समझाईश पर सभी ग्रामीण महिलाएं आवेस्त होकर, अपने घर को रवाना हो गईं।

कलेक्टर ने की जनसुनवाई- 129 आवेदकों की सुनी समस्याएं - कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में जनसुनवाई करते हुए 129

आवेदकों की समस्याएं सुनी और उनका निराकरण करने के संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। जनसुनवाई में खोर के बलराम जाट, भाटखेड़ी के दुर्गेश राव, नीमच सिटी के बलवंतसिंह यादव, कुकड़ेश्वर के मनोहरदास, अरनिया बाराना के गोवंधन लाल, लुमड़ी की उर्मिला, बांगेरुड के लक्ष्मण, नलखेड़ा के जगदीश शर्मा, भदानी की सलीमा बेगम, सिंगोली के ओमप्रकाश ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। इसी तरह बधाना के विष्णु कुमार, कुचड़ोद की रूकमणबाई, दुदरसी की सागरबाई, मनासा के लखनसिंह, ग्वालटोली नीमच की रूकमणीबाई, नाका नं.4 नीमच के मुन्ना खां, बागपिपल्या की संगीता, लेंवड़ा के जसवंतसिंह आदि ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन जनसुनवाई में प्रस्तुत किए। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए।

कवि शंकर कीर बटोही बने कीर समाज (रजिस्टर्ड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष समाज की एकजुटता से असंभव काम भी संभव हो जाते हैं - राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर बटोही

नीमच। भोपाल के सम्राट रेस्टोरेंट में दिनांक 13 जुलाई, रविवार को आयोजित राष्ट्रीय स्तर की सभा में राष्ट्रीय अध्यक्ष के मनोनयन के साथ ही प्रदेश एवम जिला कार्यकारिणी का गठन सर्वानुमति से किया गया। 'स्वराज कीर समाज विकास मंच' के तत्वावधान में कीर समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष उधमसिंह कीर रिटायर्ड डीएफओ एवम् मध्य प्रदेश अध्यक्ष उधम सिंह कीर की प्रमुख उपस्थिति एवम् बड़ी संख्या समाज के गणमान्यजनों की उपस्थिति में कीर समाज की राष्ट्रीय सभा का आयोजन संपन्न हुआ। कीर समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सेवानिवृत्त डीएफओ उधमसिंह कीर ने सभा को संबोधित करते हुए अपने पद से त्यागपत्र देकर मध्य प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष रहे कवि शंकरलाल कीर

बटोही को अखिल भारतीय कीर समाज महासभा का राष्ट्रीय अध्यक्ष हेतु उनका नाम प्रस्तावित किया जिसका समर्थन रामगोपाल कीर अजमेर राजस्थान एवं बालवीर कीर नई दिल्ली, श्यामलाल चौहान सांवेर, सज्जन सिंह आंकड़े भोपाल ने समर्थन किया। देश के विभिन्न राज्यों से आए समाज के गणमान्यजनों की उपस्थिति में सर्वानुमति से शंकरलाल कीर बटोही को रजिस्टर्ड कीर समाज का राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोनित किया। जिसका उपस्थित समाज बंधुओं ने तालियां बजाकर सम्मान किया। घोषणा के बाद नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष



शंकरलाल कीर बटोही जी ने अपने उद्बोधन में देश के समस्त कीर समाज बंधुओं का आभार प्रकट करते हुए कहा कि मेरा प्रमुख पहला मुद्दा समाज में एक जुटता लाने का रहेगा। क्योंकि एक जुटता से ही बड़े से बड़े काम संभव हो सकते हैं। बटा हुआ समाज कभी तरक्की नहीं कर सकता। शंकर लाल कीर बटोही को कीर समाज का राष्ट्रीय

अध्यक्ष बनाए जाने पर देश भर के समस्त समाज बंधुओं में हर्ष की लहर दौड़ गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति परचात नव नियुक्त अध्यक्ष बटोही का कीर समाज समाज के प्रदेश अध्यक्ष उधम सिंह कीर ने शाल श्रीफल एवं साफा बांधकर उनका स्वागत किया तथा सभागार से उपस्थित सभी लोगों ने उनका फूल माला से पुरजोर स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष उधम सिंह कीर ने प्रदेश एवम जिला स्तर की कार्यकारिणी का गठन भी किया जिसमें मनोहर कीर मोरवन को जिला कीर युवा महासभा नीमच का जिलाध्यक्ष मनोनित किया वही बापुलाल कीर को जिला संरक्षक मनोनित किया। इस अवसर पर देश भर के विभिन्न प्रदेशो से बड़ी संख्या मे समाज बंधु उपस्थित रहे।

सभी नगरीय निकाय एवं पंचायतें समग्र ईकेवायसी कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण करें - चंद्रा

कलेक्टर ने समय-सीमा पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

नीमच 15 जुलाई (निप्र)। जिले के सभी नगरीय निकाय, जनपद पंचायतें और ग्राम पंचायतें समग्र ईकेवायसी के शतप्रतिशत कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण करें। नीमच, जावद एवं मनासा जनपद क्षेत्र में एक सप्ताह में पांच-पांच हजार शेष ईकेवायसी करवाएं। यह निर्देश कलेक्टर हिमांशु चंद्रा ने मंगलवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में समय सीमा पत्रों के निराकरण की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में समग्र, ईकेवायसी की प्रगति की निकायवार समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अमन वैष्णव, तीनों एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर, जनपद सीईओ, सभी सीएमओ और जिला अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देश

दिए, कि गांधी सागर समूह जल प्रदाय योजना के तहत प्रत्येक शासकीय संस्था के भवन में नल कनेक्शन जल निगम द्वारा उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। सभी जनपद सीईओ, महिला बाल विकास, शिक्षा विभाग, डीपीसी अपने विभाग के भवनों में ग्रामवार, भवनवार, नल कनेक्शन की जानकारी का पत्रक तैयार कर, जिला पंचायत सीईओ को प्रस्तुत करें। यदि किसी ग्रामीण शासकीय भवन में नल कनेक्शन नहीं हुआ है, तो महाप्रबंधक जल निगम से संपर्क कर नल कनेक्शन करवा लें। बैठक में कलेक्टर ने सम्पूर्ण टीकाकरण कार्यक्रम, गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, टीकाकरण की भी समीक्षा की और स्वास्थ्य विभाग को सम्पूर्ण टीकाकरण का शतप्रतिशत लक्ष्य पूर्ण

करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कृषि एवं सहकारिता विभाग को गांवों में शिविर आयोजित कर अन्नपूि किसानों का प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पंजीयन करवाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने पी.एम.सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के तहत भी विशेष शिविर आयोजित कर हिमालयियों को लाभान्वित करने के निर्देश ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को दिए। इस योजना के तहत 3000 घरों में सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य रखा गया है।

नोडल जिला अधिकारी स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण करें - बैठक में कलेक्टर चंद्रा ने सभी नोडल जिला अधिकारियों को निर्देश दिए, कि बुधवार 16 जुलाई को क्षेत्र की ग्राम पंचायतों का भ्रमण करें

तथा अपने क्षेत्र की पंचायतों में स्कूल आंगनवाड़ी केंद्रों का निरीक्षण कर, विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर को परखें, उपलब्ध सुविधाओं को देखें और नियमित स्कूल खुलने, आंगनवाड़ी केंद्र संचालन, विद्यार्थियों की उपस्थिति का जायजा लेकर, निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करें। बैठक में कलेक्टर ने सभी जिला अधिकारियों को 100 दिवस एवं 50 दिवस की लंबित सीएम हेल्पलाइन की सभी शिकायतों को बंद करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी को क्षतिग्रस्त, मरम्मत योग्य शाला कक्षाओं की प्राथमिकता से मरम्मत का कार्य करवाने के निर्देश दिए। साथ ही डिस्पेंटरल योग्य कक्षाओं, भवनों को सर्वोच्च प्राथमिकता से डिस्पेंटरल करवाने के भी निर्देश दिए।

थड़ोद आयुष शिविर में 65 रोगियों को किया लाभांविता

नीमच 15 जुलाई (निप्र)। जिला आयुष अधिकारी डॉ आशीष बोरना के मार्गदर्शन में मंगलवार को आयुष्मान आरोग्य मंदिर थड़ोद द्वारा आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। शिविर में आमवात संधिवात अतिथियो विबन्ध श्वास कास प्रतिश्याय रक्ताल्पता अर्श उच्च रक्तचाप मधुमेह अग्निमोघ आदि के 65 रोगियों का परीक्षण कर निःशुल्क औषधियों का वितरण किया गया। शिविर में उच्च रक्तचाप मधुमेह एवं रक्ताल्पता की जांच निःशुल्क की गई एवं आवश्यक परामर्श दिया गया। शिविर में वर्षा ऋतु में होने वाली मौसमी बीमारियों से बचाव के बारे में बताया और कृषकों को औषधीय पौधों की खेती करने के लिए प्रेरित किया गया।

युवा वर्ग पीड़ित मानवता की सेवा में जुड़ना राष्ट्र विकास का प्रमुख आधार- मंडला अध्यक्ष सुशील मल्होत्रा

महिलाओं को सिलाई मशीन की सौगात के साथ रोटरी क्लब नीमच कैंट का पद ग्रहण समारोह संपन्न

नीमच 15 जुलाई (निप्र)। पीड़ित मानवता की सेवा राष्ट्र विकास का प्रमुख आधार है और यदि देश का अधिकतर युवा वर्ग तकनीकी रोजगार के साथ वह यदि पीड़ित मानवता की सेवा के क्षेत्र में जुड़ रहा है तो यह राष्ट्र विकास का प्रमुख आधार होता है।

यह बात रोटरी क्लब 3040 के मंडल अध्यक्ष सुशील मल्होत्रा ने कही वे रोटरी सामुदायिक भवन में सोमवार रात को रोटरी क्लब नीमच कैंट के सत्र 2025-26 के पद ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अब रोटरी समाज सेवा के साथ मनोरंजन पर भी अपना फोकस कर रहा है ताकि सेवा के क्षेत्र में युवा वर्ग अधिक उत्साह के साथ जुड़े और देश के लोगों की सेवा कर खुशियां दूँदने से मिलती है। स्थार्ई सेवा प्रकल्प प्रारंभ करें तो हमारी खुशियां भी निरंतर बढ़ती रहेगी जो संतुष्टि हमें पीड़ित मानवता की सेवा से मिलती



है वह संसार के किसी अन्य क्षेत्र में नहीं मिलती है। बालिका आत्मरक्षा का कोर्स के लिए क्लब शिविर आयोजित करें और बालिकाओं को अपनी आत्मरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाएं। रोटरी मंडल शीर्ष ही दो इंटरसिटी और पांच चौपाल का आयोजन करेगा जिसमें पूरे मंडल के सभी रोटरी सदस्यों की सहभागिता सुनिश्चित होगी। चौपाल में ग्रामीण क्षेत्र की क्लब से बाहर के लोगों की सहभागिता प्रतिनिधित्व 30 प्रतिशत रखने पर फोकस किया जाएगा 70

प्रतिशत लोग रोटरी के सदस्य होंगे। क्लब की नवीन कार्यकारिणी में महिलाओं को भी जोड़े तो स्थार्ई सेवा प्रकल्प अभियान में और वृद्धि हो सकती है। जिन लोगों के हाथ पैर कटे हुए हैं उन्हें निशुल्क उपकरण सामग्री प्रदान करने का एक शिविर तथा महिला वर्ग के लिए स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर का चिकित्सा शिविर भी आयोजित किया जाएगा।युवा वर्ग पीड़ित मानवता की सेवा के लिए भामाशाह की तरह दान करना भी सीखें और दानी बने तो उनके जीवन में

सफलताएं निरंतर मिलती रहेगी। शपथ अधिकारी संस्कार कोठारी ने कहा कि रोटरी क्लब नीमच कैंट 2002 में लागया पौधा अब वट वृक्ष बनने की ओर अग्रसर है। रोटरी क्लब नीमच कैंट को विभिन्न अवाई मिले हैं उन्होंने परिश्रम किया है तो सफलता मिली है। पूर्व जिला गवर्नर दर्शन गांधी ने कहा कि रोटरी क्लब का सेवा प्रकल्प 120 वर्ष की यात्रा पर निरंतर अग्रसर है। विश्वास सार्थकता में निरंतर मैत्री और सेवाभाव के साथ आगे बढ़ रहा है। रोटरी एकमात्र संगठन है जिसमें प्रतिवर्ष सीईओ बदलता है। रीजनल कोऑर्डिनेटर आशीष गर्ग ने कहा कि छोटे-छोटे समूह मिलकर एक बड़ा आयोजन करें तो कठिन से कठिन और बड़े से बड़ा सेवा कार्य भी सरलता से पूरा हो सकता है।असिस्टेंट गवर्नर मुकेश बाहेती ने कहा कि रोटरी में कभी भी व्यक्ति निवृत्ति मान नहीं रहता है वह सदैव रात दिन रोटरी के माध्यम से समाज की सेवा के

लिए तेजी से दौड़ता रहता है। जिस प्रकार राम ने 14 वर्ष वनों वनवास रहकर सृष्टि की रक्षा कर सेवा की। इस प्रकार में डिस्ट्रिक्ट मंडलाध्यक्ष 3040 के साथ लक्ष्मण के रूप में सदैव साथ रहूंगा और सी एस आर व मेंबर शिप ग्रोथ पर इसवर्ष हमें काम करना है। रोटरी क्लब नीमच कैंट के निवृत्तमान अध्यक्ष संदेश माहेश्वरी ने विगत सत्र की उपलब्धियां प्रतिवेदन रिपोर्ट प्रस्तुत की। नवीन अध्यक्ष आशीष दरक ने अपनी आगामी सेवा गतिविधियों की योजनाओं पर प्रकाश डाला। नवीन कार्यकारिणी को क्लब के माध्यम से समाज सेवा की शपथ का संकल्प शपथ अधिकारी संस्कार कोठारी ने दिलाया। कार्यक्रम में हिराग्राही सिलाई करकर रोजगार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने के लिए रोटरी क्लब नीमच कैंट द्वारा श्रीमती प्रेमा टेकम तथा श्रीमती देवकन्या मेघवाल कनावटी दोनों को सिलाई मशीन प्रदान की गई।

कार्यालय नगरपालिका परिषद, नीमच जिला नीमच म.प्र.
क्रं. 263/ई-टेण्ड./01/लो.नि.वि/2025
नीमच, दिनांक 15/07/2025

ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रण सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण वेबतसाईट website <http://mptenders.gov.in> पर देखा सकते हैं।

क्र./टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा प्रत्र की अंतिम तिथि
2025_UD_435344	वार्ड क्र. 14, प्रायवेट बस स्टैण्ड के पास पुलिया निर्माण कार्य	06 Months 13956372+GST	Rs. 10000 Rs. 69785	14.08.2025

1. निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन <http://mptenders.gov.in> की वेबसाईट पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

श्रीमती स्वाति गौरव चौपड़ा
अध्यक्ष, नगरपालिका परिषद,
नीमच

श्री मनोहर मोटवानी
सभापति, लो.नि.वि.
नगरपालिका परिषद नीमच

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद नीमच

बालक बालिकाएं गलत राह न अपनाए, अपने माता पिता के मान सम्मान को बनाये रखे - विधायक मारू

स्कूली छात्र छात्राओं को मिली साइकिलें, चेहरे पर झलकी खुशी

कुकड़ेश्वर 15 जुलाई (निप्र)। मध्य प्रदेश शासन द्वारा स्कूली छात्र छात्राओं को विद्यालय तक अध्यन हेतु आने जाने हेतु निःशुल्क साइकिल प्रदत्त करने वाली महती योजना के तहत 15 जुलाई को शासकीय बालक व

कुकड़ेश्वर में संयुक्त रूप से निःशुल्क साइकिल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिरकत करने पहुंचे मनासा विधान सभा के विधायक अनिरुद्ध माधव मारू का स्कूली छात्र छात्राओं ने व विद्यालय परिवार ने ढोल के साथ ही पुष्पवर्षा करते हुए स्वागत सत्कार किया। विधायक अनिरुद्ध माधव मारू सहित उपस्थित अतिथिगणों द्वारा मॉ सरस्वती पूजन व कन्या पूजन किया। विधायक मारू ने कन्या पूजन के दौरान कन्याओं के चरण स्पर्श किये। ततपश्चात अतिथियो का पुष्पमाला से अभिवादन हुआ। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग विकासखण्ड मनासा के बीईओ ने अपने उद्बोधन में मनासा विकासखण्ड स्तरीय जानकारी

देते हुए बताया कि 373 मेधावी छात्र छात्राओं को लेपटॉप मिलेंगे, 37 छात्र छात्राओं को स्कूटी व 2160 छात्र छात्राओं को इस बार निःशुल्क साइकिलें प्रदान की जा रही है, व कन्या शाला कुकड़ेश्वर में अध्यापन हेतु कक्ष की कमी का जिक्र किया। वंही शासकीय विद्यालयों में इस बार छात्र छात्राओं ने प्रवेश भी अधिकतम लिया है। विधायक अनिरुद्ध माधव मारू ने बीईओ द्वारा दी गई जानकारी की सराहना करते हुए, शिक्षा विभाग व स्थानीय शासकीय विद्यालयों को बधाई दी व 900 छात्राएं शासकीय कन्या शाला कुकड़ेश्वर में अध्ययनरत होने की जानकारी पर विधायक मारू ने प्रसन्नता जाहिर की व गर्व महसूस किया व छात्राओं के अध्यापन को लेकर 5 कक्ष नवीन बनाने की घोषणा की। विधायक मारू ने साराभित उद्बोधन देते हुए छात्राओं से व छात्राओं से कहा कि आकर्षण देखकर विचलित नही होना है, अध्यनरत जीवन मे अपना लक्ष्य तय करे व अपने माता पिता के मान सम्मान को बढ़ाये। जीवन मे सब सम्भव है, सफलता हासिल करने के लिए ध्येय जरूरी है, लक्ष्य अगर मजबूत है तो कोई भी बाधा जीवन मे आइ नही लगा सकती है। ततपश्चात सांकेतिक रूप से दस दस बालक बालिकाओं को निःशुल्क साइकिल विधायक मारू के माध्यम से प्रदान की गई। साइकिल प्राप्त करके स्कूली छात्र छात्राओं के चेहरे पर खुशी नजर आई। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक विनोद मालवीय द्वारा किया गया।

आज ही बुक करें अपना **Zelo** इलेक्ट्रिक स्कूटर, घर ले जाए

मात्र रु ~~45990/-~~ रु **38,990/-**

में वो भी 1 साल की बैटरी वारंटी के साथ

मात्र रु.38,990/- से इलेक्ट्रिक स्कूटर की रेंज से शुरु ...

RTO मॉडल मात्र

रु ~~81000/-~~ रु **76000/-***

(माइलेज 80-100 कि.मी.) 3 साल बैटरी की वारंटी के साथ, आज ही बुक करवाए और पाए एक सोने का सिक्का।

Zelo Electric Scooter

बंगला नं. 23, IDBI बैंक के सामने,
Lic रोड़, नीमच (म.प्र.)
मो. 940742399, 8770664866

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक ऐश्वर्य शर्मा के लिए माँ भगवती प्रिन्टर्स बंगला नं. 23, आईडीबीआई बैंक के सामने, नीमच, जिला-नीमच, मध्यप्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पर्क: 9407423966। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नीमच होगा।